लगता है। परंतु उनमें भी भावनाएँ और विचार होते हैं। अत: हमें उनके प्रति अपने विचारों में परिवर्तन लाना होगा। कई बार देखा गया है कि बच्चे ऐसे लोगों का मजाक बनाते हैं, हँसते हैं और बुरा व्यवहार करते हैं। हमें इस धारणा को बदलना होगा।

(क) मनुष्य को श्रेष्ठ किसने बनाया है?

(ख) मनुष्य का मस्तिष्क किसके समान है?

(ग) 'शारीरिक' शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग-अलग लिखिए।

(घ) हमें अपनी सोच में किस प्रकार का परिवर्तन लाना चाहिए?

(ङ) उपयुक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 11492 **K**

Unique Paper Code : 2051002005

Name of the Paper : Hindi-E : Compulsory Hindi Syllabus (CHS) – AEC 2

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Semester : III

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 60

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. अनुनासिक चिह्न का प्रयोग करते हुए 6 शब्द लिखिए। (6)

2. निम्नलिखित शब्दों पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए। (6)

   मा, हा, आख, चाद, यहा, वहा

3. कोई छः विदेशी शब्द लिखें जिनका प्रयोग हिंदी भाषा में होता है। (6)

4. निम्नलिखित वाक्यों में विराम चिह्न का प्रयोग कीजिए। (6)

(क) अरे तुम आ गए

(ख) कब तक इंतजार करना पड़ेगा

(ग) बार बार एक बात मत कहो

(घ) राम श्याम दोनों भाई हैं

(ङ) मुझे बाहर जाना है

(च) वह तुमसे क्या कहना चाहता है

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए : (6)

(क) मारा रावण को राम ने।

(ख) सीता पढ़ता है।

(ग) देश आगे बढ़ रही है।

(घ) तुम मुझको क्या कहता है।

(ङ) नदी बह रहा है।

(च) लड़की वॉलीबॉल खेल रहा है।

6. किसी **एक** कहानी का संक्षिप्त नाटकीय संवाद लिखिए। (10)

अथवा

किसी हिंदी फिल्म की समीक्षा कीजिये।

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर 100 शब्दों में लिखिए। (10)

(क) हिंदी भाषा का महत्व

(ख) शिक्षा का महत्व

8. परिवार के साथ किसी यात्रा का वर्णन करें। (10)

अथवा

अपठित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों का उत्तर दें।

मनुष्य सभी जीवों में श्रेष्ठ माना जाता है। उसके शरीर की बनावट ने उसे श्रेष्ठ बनाया है। उसका मस्तिष्क एक जादू की दुनिया के समान हैय वह जो चाहे कर सकता है। परंतु संसार में कुछ ऐसे मनुष्य भी हैं,जिनकी शारीरिक आकृति तो हम सबके समान है, परंतु मस्तिष्क का विकास पूरी तरह नहीं हो पाया है। इस कारण वे सभी कार्य हमारी तरह नहीं कर पाते। उनका उठना-बैठना, पढ़ना-लिखना आदि सभी कुछ पूरी तरह से उनके नियंत्रण में नहीं होता। उनका व्यवहार असामान्य सा